पाठ 7. ईदगाह

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य अंतर-वैयक्तिक संबंध का कौशल विकसित करना है ताकि वे विभिन्न व्यक्तियों/प्राणियों से सकारात्मक तरीके से जुड़ने की समझ पैदा कर सकें। मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित यह कहानी ईद जैसे धार्मिक पर्व का सजीव वर्णन तो करती ही है, साथ ही, इसमें भाईचारे की भावना को बढ़ाने वाले सूत्रों को भी बहुत अच्छी तरह रचा गया है। दादी अमीना और पोते हामिद के प्रेम व स्नेह के साथ रिश्तों की गहराई और बाल-मनोविज्ञान के प्रसंग भी इस कहानी के उद्देश्यों को बहुमुखी बनाते हैं।

पाठ का सार

ईद का दिन है, गाँव में गरीब अमीना के अलावा अधिकतर लोग त्योहार पर खुश हैं। इस गहमागहमी में बच्चों का उत्साह तो देखते ही बनता है। हामिद, नूरे, मोहिसन सभी मेले में जाते हैं। बच्चे मिठाइयाँ और खिलौने खरीदते हैं लेकिन हामिद ने अपने पैसे दादी के लिए चिमटा खरीदने में खर्च किए। इस खरीद के लिए वह अपने मन से भी थोड़ा बहुत ज़रूर लड़ा होगा लेकिन अपने साथियों के ताने सुनने और उनसे यह मनवाने में कि हामिद का चिमटा कितना श्रेष्ठ है, हामिद को अच्छी-खासी मेहनत करनी पड़ी।

जब हामिद घर लौटा तो उसकी दादी ने चिमटा लाने के कारण को जाना। उस चिमटे ने दादी के दिल के दर्द को और बढ़ाया। उसने अपने पोते को छाती से लगा लिया।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  कहानी का सार पहले बताएँ। उसके बाद अंशों में बाँटकर कहानी का वाचन करवाएँ। बच्चों को त्योहारों के बारे में बताएँ। त्योहारों का हमारे जीवन में क्या महत्व है, यह समझाएँ। ईद का त्योहार मुसलमान भाइयों के लिए क्या महत्व रखता है, यह बताएँ। इस त्योहार पर हिंदू, ईसाई और सिक्ख धर्म के लोग भी उन्हें मुबारकबाद देते हैं क्योंकि त्योहार का संबंध खुशियाँ बाँटने से है। इस उदाहरण से समझाएँ कि त्योहार हमें एकता के सूत्र में पिरोते हैं।

  हामिद और अमीना के बीच के आत्मीय संबंध की चर्चा विशेष रूप से करें। पारिवारिक मूल्यों और दायित्वों का निर्वाह करना कितना आवश्यक है, इसके बारे में चर्चा अवश्य करें।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 65** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - कुछ विशेषण शब्दों पर लिंग व वचन का प्रभाव पड़ता है, यह बात उदाहरण व अभ्यास के माध्यम से समझाएँ।
  - वाक्य-निर्माण में ध्यान दें कि बच्चे छोटे-छोटे वाक्य बनाएँ, उनमें शाब्दिक अशुद्धियाँ व लिंग-वचन संबंधी अशुद्धियाँ न हों।

◗ **क्रियाकलाप के लिए संकेत**

- ❖ पत्र लेखन भाषा कौशल के अभिव्यक्ति पक्ष को मज़बूत बनाता है। पत्र लेखन के आवश्यक अंगों की जानकारी बच्चों को दें।
- ❖ बच्चे त्योहारों से संबंधित अपने-अपने अनुभव बाँटेंगे तो उन्हें एक-दूसरे को समझने में आसानी होगी।